

आनुवंशिक रूप से संशोधित सोया बीजों के आयात की मांग

प्रलम्ब के लिये:

जीएम फसलें, बीटी कपास, बीटी बैंगन

मेन्स के लिये:

जीएम फसलों से संबंधित मुद्दे

चर्चा में क्यों?

पोल्ट्री उद्योग (Poultry Industry), केंद्र सरकार से किसानों की कष्टवि खपत के लिये **क्रशड जेनेटिकली मॉडिफाइड (Genetically Modified- GM)** सोया बीजों के आयात के लिये परमिट की मांग कर रहा है।

- गैर-राजकोषीय और राजकोषीय राहत उपायों जसमें सावधानीकरणों का पुनर्गठन और अतिरिक्त कार्यशील पूंजी शामिल है, की भी केंद्र और राज्य सरकारों से मांग की गई है।

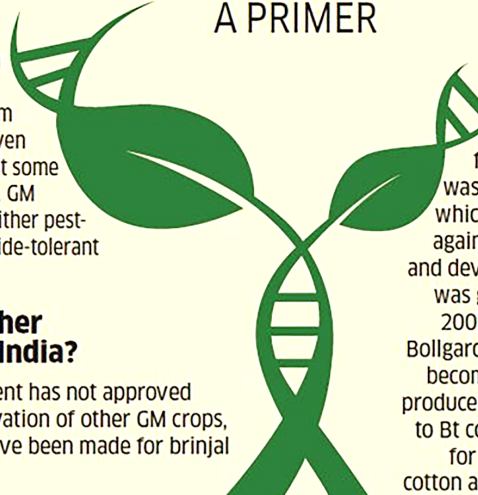
What is a GM crop?

A crop which has a gene artificially inserted into it from another species, even unrelated, to give it some desired properties. GM crops are mostly either pest-resistant or herbicide-tolerant

Are there other GM crops in India?

No, the government has not approved commercial cultivation of other GM crops, though efforts have been made for brinjal and mustard

GM CROPS IN INDIA A PRIMER



When did India get its first GM crop?

The first GM crop variety approved for commercialisation was Bt cotton. Bollgard-I, which provided immunity against the pink bollworm and developed by Monsanto, was given the go ahead in 2002. Monsanto released Bollgard-II in 2006. India has become the world's largest producer of cotton partly due to Bt cotton, which accounts for over 90% of the total cotton acreage in the country

प्रमुख बन्धु:

जीएम फसलें:

- एक **जीएम या ट्रांसजेनिक फसल** ऐसी फसल है जसमें आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से प्राप्त आनुवंशिक सामग्री का एक नया संयोजन होता है।
 - उदाहरण के लिये किसी जीएम फसल में एक ऐसा जीन हो सकता है जससे परागण के माध्यम से प्राप्त करने के बजाय पौधे में कृत्रिम रूप से डाला गया हो।
- पारंपरिक पौधों के प्रजनन में एक ही जीनस की प्रजातियों का संकरण करना शामिल है ताकसंतान को माता-पिता दोनों के वांछित लक्षण प्रदान किये जा सकें।

- जीनस वस्तुओं का एक वर्ग है जैसे जानवरों या पौधों का एक समूह जिसमें समान लक्षण, गुण या वंशिताएँ होती हैं।
- वांछित परिणाम प्राप्त करने में क्रॉस ब्रीडिंग में लंबा समय लग सकता है और प्रायः किसी भी संबंधित प्रजाति में रुचिकी वंशिताएँ मौजूद नहीं होती हैं।

- **बीटी कपास (Bt Cotton)** एकमात्र जीएम फसल है जिसकी भारत में अनुमति है। इसमें जीवाणु बैसिलिस थुरजिनिसिस (Bt) के वंशिताएँ जीन होते हैं जो फसल को सामान्य कीट पकित बॉलवर्म (Pink Bollworm) के लिये एक प्रोटीन वंशिताएँ वंशिताएँ करने की अनुमति देता है।
- दूसरी ओर **हरबिसाइड टॉलरेंट बीटी (Herbicide Tolerant- Ht Bt)** कपास, एक अन्य मृदा के जीवाणु से एक अतिरिक्त जीन के सम्मिलन से प्राप्त होता है, जो पौधे को सामान्य हरबिसाइड ग्लाइफोसेट का वंशिताएँ करने की अनुमति देता है।
- **बीटी ब्रिंजल (Bt Brinjal)** में एक जीन पौधे को फल और प्ररोह बेधक के हमलों का वंशिताएँ करने की अनुमति देता है।
- डीएमएच-11 सरसों (DMH-11 Mustard) में आनुवंशिक संशोधन एक ऐसी फसल में पर-परागण की अनुमति देता है जो प्रकृति में स्व-परागण करती है।

भारत में GM सोयाबीन की स्थिति:

- भारत GM सोयाबीन और कैनोला तेल के आयात की अनुमति देता है।
- भारत में GM सोयाबीन बीजों के आयात को मंजूरी नहीं दी गई है।
 - मुख्य डर यह है कि GM सोयाबीन का आयात गैर-GM कस्मों को दूषित करके भारतीय सोयाबीन उद्योग को प्रभावित करेगा।

मांग का कारण:

- **कोविड-19** के प्रकोप ने बड़े पैमाने पर संकट पैदा कर दिया है जिसके कारण चिकित्सा उत्पादों में वायरस और पोल्ट्री उत्पादों के बीच संबंध के बारे में झूठी खबरों के कारण मांग में कमी आई है।
- इसने एक अनुचित वित्तीय संकट पैदा कर दिया और कार्यशील पूंजी (दैनिक-प्रतिदिन के कार्यों के प्रयुक्त) का क्षरण हुआ।
- पछिल्ले कई महीनों से नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (National Commodity and Derivatives Exchange Limited- NCDEX) पर सोया अनुबंधों में उच्च सट्टा गतिविधियाँ इस क्षेत्र को चिंतित कर रही हैं।
 - NCDEX एक ऑनलाइन कमोडिटी एक्सचेंज है जो मुख्य रूप से कृषि संबंधी उत्पादों में व्यवहार करता है।
- सोयाबीन की प्रक्रिया में वृद्धि के कारण खुदरा बाजार में अंडे और चिकित्सा उत्पादों की कीमतों में उछाल आया था।
 - वंशिताएँ समयसीमा के लिये आयात, कच्चे माल के बाजार को स्थिर करेगा।

भारत में जीएम फसलों के लिये अनुमोदन प्रक्रिया:

- भारत में **जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC)** शीर्ष निकाय है जो जीएम फसलों के वाणिज्यिक उत्पादन के लिये अनुमति प्रदान करता है।
- **प्र्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986** के तहत अस्वीकृत जीएम संस्करण का उपयोग करने पर उसे अधिकतम पाँच साल की सज़ा या 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है।
- **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)** भारत में आयातित फसलों को वनियमिति करने के लिये अधिकृत निकाय है।

प्रमुख संबंधित पहल:

- **पोल्ट्री वेंचर कैपिटल फंड (PVCF):**
 - पशुपालन और डेयरी विभाग राष्ट्रीय पशुधन मशिन के "उद्यमिता विकास और रोजगार सृजन" (EDEG) के तहत इसे लागू कर रहा है।
 - यह एक बैंक-आधारित कार्यक्रम है तथा केंद्र सरकार PVCF हेतु ऋण लेने वाले लाभार्थियों के लिये राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबारड) के माध्यम से सब्सिडी प्रदान कर रही है।
- **राष्ट्रीय पशुधन मशिन:**
 - **राष्ट्रीय पशुधन मशिन** के तहत विभिन्न कार्यक्रम जिनके अंतर्गत रुरल बैकयारड पोल्ट्री डेवलपमेंट (RBPD) और इनोवेशन पोल्ट्री प्रोडक्शन प्रोजेक्ट (IPPP) के कार्यान्वयन के लिये राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- **पशु रोग नियंत्रण (ASCAD) योजना के लिये राज्यों को सहायता:**
 - ASCAD "पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण" (LH&DC) के तहत जो आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कुक्कुट रोगों जैसे रानीखेत रोग, संक्रामक बर्सल रोग, फाउल पॉक्स आदि के टीकाकरण को कवर करता है, जिसमें एवियन इन्फ्लूएंजा (Avian Influenza) जैसी आकस्मिक और वंशिताएँ बीमारियों का नियंत्रण और रोकथाम करना शामिल है।

स्रोत : द हिंदू